लखनऊ। मंगलवार • 12 अप्रैल • 2022

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

बृज की होली की मोहक छटा बिखरी

लखनऊ (एसएनबी)। ऐशबाग श्रीराम लीला मैदान में चल रहे भारतीय नववर्ष मेला व चैती महोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में अवधी लोक गीतों संग बृज की फूलों की होली की मोहक छटा बिखरी। महोत्सव की नवी सांस्कृतिक सन्ध्या का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता बृज बहादुर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। समिति अध्यक्ष हरीश चन्द्र अग्रवाल और सचिव पंडित आदित्य द्विवेदी ने बृज बहादुर को पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

भारतीय नववर्ष मेला व चैती महोत्सव की अंतिम संध्या

भाजपा नेता बहादुर को किया गया सम्मानित

संगीत से सजे कार्यक्रम का आरम्भ ब्रज लोक संस्कृति एवं सेवा संस्थान के कलाकारों ने बृज की फूलों की होली के साथ बृज के अन्य लोक नृत्यों की सुरभि बिखेरी। कार्यक्रम में वन्दना श्री के नृत्य निर्देशन में वन्दना सिंह, अर्चना वर्मा, खुशबू वर्मा, रौशनी, जगृती, मणिका, प्राची, सोनम, डॉली, दीक्षा, इच्क्षा, दीपक शर्मा, केशव, मुकेश, ब्रजवासी, दीपक नागर, राकेश, अासलम, अर्थव, थमस्या और देवेश ने फाग खेलन बरसाने मे आयें है पर फूलों से होली खेलते हुए भावपूर्ण अभिनययुक्त नृत्य प्रस्तुत कर कलाप्रेमी दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इसके बाद अलका द्विवेदी के नृत्य निर्देशन में लावण्या राय और रितिशा सिंह ने गणेश वंदना पर भाव नृत्य से कर विघ्न विनाशक भगवान गणेश जी के चरणों में अपनी अगाध श्रद्धा अर्पित की। अंकिता सिंह ने रामायण की चौपाई सुनाई। समायरा जैन ने भक्ति गीत और शाम्भवी राय व प्रगति शुक्ल ने राजस्थानी लोक नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी।

निधि श्रीवास्तव के नृत्य निर्देशन मे अनुष्का यादवं, अनमिका यादव, प्रियांशी वर्मा, अभय सिंह, अमन भारती और आकाश सैनी ने गणेश वंदना के उपरान्त राम जनम, राम विवाह, लंका विजय और राम का राज्याभिषेक प्रसंग को भाव एवं नृत्य पेश कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। मन को मोह लेने वाली इस प्रस्तुति के उपरान्त माधुरी वर्मा ने सासु पनिया कैसे जाऊं रसिले दोनो नैना से कर अपनी सुमधु आवाज में अंगुली में डसले पिया नगिनिया हो है सखी, होले होले डोले बोले पिपरा के पटवा और हमारी गुलाबी चुनरिया को सुनाकर श्रोताओं की असंख्य तालियां बटोरीं।